बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 222 ● नई दिल्ली ● वीरवार 04 सितम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

जेरोधा के ट्रेडिंग एप में आई गड़बड़ी से ग्राहकों को परेशानी, यूजर्स बोले- कौन करेगा नुकसान की भरपाई?

नई दिल्ली । ऑनलाइन ब्रोकरेज फर्म जेरोधा के ग्राहकों को बुधवार को सुबह तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ा। कंपनी के काइट ट्रेडिंग ऐप पर कुछ यूजर्स को अपने सौदों की कीमत अपडेट करते समय दिक्कतों का सामना करना पड़ा। इस गड़बड़ी के कारण कई निवेशकों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शिकायत की। उन्होंने बताया कि प्रतिभूति बाजार सुबह 9.15 बजे खुला तो उन्हें शेयर बेचने में दिक्कत हुई। कंपनी ने इस समस्या को स्वीकार करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, हमारे कुछ उपयोगकर्ताओं को ऐप पर मूल्य अपडेट में समस्या आ रही है। हम इसकी जांच कर रहे हैं।

बप्पा की असीम कृपा से गुलाटी परिवार के नन्हें सितारों की बड़ी उपलब्धि

सफलता और संस्कार का संगम तभी संभव है जब ईश्वर की कृपा, परिवार का आशीर्वाद और बच्चों की मेहनत एक साथ जुड़े। इसी का उदाहरण प्रस्तुत किया है मास्टर सत्यम गुलाटी एवं उनकी बहन शनाया गुलाटी ने। सुप्रसिद्ध फैशन डिज़ाइनर एवं Stichgang Boutique की प्रोपाइटर चीना गुलाटी के नन्हें सुपुत्र और सुपुत्री तथा गुलशन सोनी के लाडले नातीद्धनातिन बप्पा की असीम कृपा से निरंतर प्रगति और सफलता की राह पर अग्रसर हैं। हाल ही में मास्टर सत्यम गुलाटी ने अपनी लगन, परिश्रम और प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए मॉन्टफोर्ट स्कूल, अशोक विहार, दिल्ली में पढ़ाई के दौरान प्रथम पुरस्कार एवं गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह उपलब्धि केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे विद्यालय और क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है। इस असाधारण सफलता से पूरे परिवार में खुशी और गर्व की लहर है। परिवार, मित्रगण और शुभचिंतक सभी सत्यम एवं शनाया के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएँ करते हुए प्रार्थना कर रहे हैं कि बप्पा की कृपा सदैव इन पर बनी रहे और ये दोनों बच्चे जीवन के हर क्षेत्र में निरंतर सफलता की ऊँचाइयाँ छूते रहें।

सोने पर रिपोर्ट में बड़ा दावा, आईसीआईसीआई बैंक ने कहा- 1.25 लाख प्रति 10 ग्राम तक जा सकते हैं भाव

नई दिल्ली। भारतीय सोने की कीमतों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। ICICI बैंक के आर्थिक अनुसंधान समूह के एक शोध नोट के अनुसार सोना 2025 में 99,500 रुपये से 1,10,000 रुपये प्रति दस ग्राम के बीच करोबार करेगा। वहीं 2026 की पहली छमाही में इसकी कीमत 1,10,000 रुपये से 1,25,000 रुपये तक बढ़ जाएगी। इसमें कहा गया है कि अगर रुपया डॉलर के मुकाबले अनुमानित स्तर से कहीं अधिक कमजोर होता है तो आर्थिक अनुमान पर अतिरिक्त जोखिम पैदा हो सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इस अवधि के लिए डॉलर-रुपया विनिमय दर का औसत 87.00 से 89.00 के दायरे में रहने का अनुमान लगाया गया है। 2025 में अब तक वैश्विक सोने की कीमतों में लगभग 33 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसे अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा मौद्रिक नीति में ढील दिए जाने की उम्मीदों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर संस्थागत चिंताओं का समर्थन प्राप्त है। विश्लेषकों का अनुमान है कि 2025 के बाकि समय में वैश्विक सर्राफा औसतन 3,400 से 3,600 डॉलर प्रति औंस रहेगा और 2026 की पहली छमाही में और बढ़कर 3,600 से 3,800 डॉलर प्रति औंस हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है, तो इन सीमाओं में और भी वृद्धि हो सकती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था को लेकर संरचनात्मक कमजोरियों को लेकर जारी चिंताओं के चलते मध्यम अवधि में सोने की कीमतों में तेजी का रुझान बना रहने की उम्मीद है। सुरक्षित निवेश के लिए खरीदारी में थोड़ी कमी के बावजूद पीली धातु के लिए मध्यम अवधि में तेजी की उम्मीदें बरकरार हैं। यह अनुमानित बढ़त अमेरिका में हो रहे घटनाक्रमों से जुड़ी हुई है। भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध की अनिश्चितताओं में कमी के बीच सोने की खरीदारी में कमी आई है। हालांकि सोने की तेजी का अगला चरण अमेरिकी घटनाक्रमों से प्रेरित होगा। इनमें 2025-26 तक फेड द्वारा ब्याज दरों में 125 आधार अंकों की अनुमानित कटौती का असर पड़ेगा। साथ ही केंद्रीय बैंकों व निवेशकों द्वारा डॉलर से दूर रहकर चल रहा विविधीकरण शामिल है। घरेलू स्तर पर, सोने की कीमतों में तेजी कमजोर रुपये और मजबूत निवेश मांग, दोनों के कारण आई है। भारत का आयात जून के 1.8 अरब डॉलर से बढ़कर जुलाई 2025 में 4.0 अरब डॉलर हो गया। यग त्योहारी सीजन से पहले मजबूत स्थानीय मांग को दर्शाता है। भारत में गोल्ड ईटीएफ में भी उल्लेखनीय निवेश हुआ है। यह पिछले साल की तुलना में इस साल अब तक निवेश लगभग दोगुना हो गया है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि गोल्ड एक्सचेंज- ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेशकों की रुचि स्पष्ट रूप से देखी गई है। इसमें एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। यह दर्शाते हैं कि जुलाई में 12.6 अरब रुपये का शुद्ध निवेश हुआ। हालांकि यह जून के 20.8 अरब रुपये के निवेश से कम था, लेकिन साल-दर-साल 92.8 अरब रुपये का निवेश पिछले साल की इसी अवधि में हुए 45.2 अरब रुपये के निवेश से दोगुने से भी ज्यादा था। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अनुमानों के लिए जोखिम ऊपर की ओर झुका हुआ है। खासकर अगर भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 87-89 की अनुमानित सीमा से अधिक गिरता है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कड़ी सुरक्षा के बीच फिर से शुरू की जनसुनवाई, कहा- जनसेवा हमारी प्राथमिकता है

नई दिल्ली । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार सुबह कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच अपने 'कैंप कार्यालय में जनसुनवाई फिर से शुरू की। एक पखवाड़े पहले ही जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया था। सुबह आठ बजे शुरू हुए इस कार्यक्रम के दौरान दिल्ली के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने अपनी-अपनी शिकायतें दर्ज कराईं और मुख्यमंत्री से मदद की गुहार की। रेखा गुप्ता एक कुर्सी पर बैठी थीं, जबकि लोग एक-एक करके उनके सामने आकर अपने आवेदन जमा कर रहे थे और इस उद्देश्य के लिए उनकी मेज पर लगाए गए, माइक्रोफोन के माध्यम से उनसे बातचीत कर रहे थे। इससे पहले गुप्ता अपने आवास-सह-कैंप कार्यालय में 'जन सुनवाई के लिए एकत्रित लोगों के बीच जाती थीं और उनसे खुलकर बातचीत करती थीं। मुख्यमंत्री के जनसुनवाई करने के दौरान महिला सुरक्षाकर्मियों सहित पुलिसकर्मियों ने उनके चारों ओर घेरा बना रखा था। किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उचित सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, जिसमें मेटल डिटेक्टर से प्रतिभागियों की तलाशी लेना और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से कार्यवाही की निगरानी करना शामिल था। गुप्ता पर 20 अगस्त को राज निवास मार्ग स्थित उनके 'कैंप कार्यालय, मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में जनसुनवाई के दौरान राजकोट (गुजरात) के एक व्यक्ति ने हमला किया था। दिल्ली की मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि उन्होंने समूची दिल्ली से आए लोगों से मुलाकात की और अधिकारियों को उनकी शिकायतों के तत्काल निवारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, ''जनता से बातचीत मुझे हमेशा एक नई ऊर्जा से भर देती है और सेवा के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को और गहरा करती है। जन सुनवाई एक नई परंपरा है। उन्होंने कहा, ''जन सुनवाई के दौरान हर नागरिक की बात सुनी जाती है और हर सुझाव दिल्ली के विकास का प्रतीक बन जाता है। उन्होंने कहा कि जनसेवा और हर शिकायत का निवारण दिल्ली सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद और सरकार से मदद की गुहार लगाने के लिए बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं मुख्यमंत्री आवास पर एकत्रित हुए। अधिकारियों ने बताया कि लगभग 165 लोगों ने मुख्यमंत्री को अपनी शिकायतें और सुझाव सौंपे, जिन पर उन्होंने आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस अवसर पर कई लोगों ने गुप्ता को गुलदस्ते देकर बधाई दी।

बाढ़ से जूझते पंजाब के लिए आप की मदद, दिल्ली से राहत ट्रक लेकर रवाना हुए सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली । पंजाब में आई भीषण बाढ़ से उत्पन्न त्रासदी को देखते हुए आम आदमी पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं और समर्थकों से पीड़ितों की मदद के लिए आगे आने की अपील की है.

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज भीषण बाढ़ से जूझ रहे पंजाब के लोगों की मदद के लिए राहत सामग्री लेकर पंजाब के लिए रवाना हो गए. दिल्ली से आप द्वारा बाढ़ राहत सामग्री की यह पहली खेप पंजाब भेजी गई है. अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली से सौरभ भारद्वाज बाढ़ राहत सामग्री लेकर पंजाब जा रहे हैं. हर दिन पार्टी नेता, विधायक, सांसद और आम लोग ट्रकों के जरिए राहत लेकर पंजाब पहुंचेंगे. कई RWA और व्यापारी भी सहयोग कर रहे हैं. केजरीवाल ने कहा कि आज पूरा देश पंजाब के साथ खड़ा है. उन्होंने कहा कि पंजाब में बाढ़ राहत के लिए आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं. दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज राहत सामग्री लेकर पंजाब रवाना हुए. मनीष सिसोदिया ने कहा कि आप कार्यकर्ता दिल खोलकर मदद कर रहे हैं. सौरभ भारद्वाज ने बताया कि बाढ़ से भारी नुकसान हुआ है और सभी दल राहत कार्यों में जुटे हैं. अरविंद केजरीवाल ने सेवा को सर्वोपरि बताते हुए गुरुद्वारों और पंजाबी समुदाय की भूमिका की सराहना की. उन्होंने कहा कि आप के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक को विधानसभा राजेंद्र नगर और दिल्ली की ओर से हम लोग राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए रवाना कर रहे हैं. अरविंद केजरीवाल के निर्देशानुसार मैं खुद भी इस ट्रक के साथ पंजाब जा रहा हूं. अब हर दिन आम आदमी पार्टी के लोग इस तरह ट्रक लेकर अपनी सेवा करने के लिए तन, मन, धन से पंजाब पहुंचेंगे. आप नेता ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं से भी कहा गया है कि जो हो सके, उन्हें मदद करनी चाहिए. क्योंकि पंजाबियों व सिखों ने पूरे देश के लिए हमेशा किया है. हम यह जो कर रहे हैं, वह उन्हीं लोगों की सेवा से प्रेरणा लेकर कर रहे हैं, जो सदियों से चली आ रही है. उन्होंने एक्स पर कहा कि पंजाब में भयंकर बाढ़ आई हुई है.

सौरभा भारद्वाज ने कहा कि पंजाब सरकार, मंत्री, और सभी लोग राहत कार्य में जुटे हुए हैं. मंगलवार को अरविंद केजरीवाल ने सभी से अपील की थी कि जरूरतमंदों की सेवा में आगे आएं. हमारे पंजाबी, सिख भाई हर आपदा के समय सबसे पहले लंगर खोलकर सेवा करते हैं. दिल्ली से राहत सामग्री की पहली खेप पंजाब भेजी जा रही है. अरविंद केजरीवाल जी के निर्देश पर मैं भी इस सामग्री के साथ पंजाब जा रहा हूं.

पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान, स्मृति ईरानी बोलीं- पूरा देश आक्रोश में, विपक्ष को जवाब मिलेगा

नई दिल्ली । पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने बिहार में एक जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई कथित अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर विपक्ष पर निशाना साधा। स्मृति ईरानी ने कहा कि कथित टिप्पणी पूरे देश को आहत करती है क्योंकि पीएम मोदी की मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था और उन्होंने गरीबी में संघर्ष किया था। एक वीडियो संदेश में, भाजपा नेता ने कहा कि बिहार के एक राजनीतिक मंच पर विपक्षी नेताओं द्वारा पीएम मोदी की दिवंगत मां का अपमान पूरे देश को आहत करता है। उस मां का राजनीति से कोई संबंध नहीं था, जिस मां ने अपने परिवार की रक्षा के लिए गरीबी में संघर्ष किया, जो मां अब हमारे बीच नहीं हैं - ऐसी मां का अपमान हम सभी को पीड़ा देता है। ईरानी ने कहा कि मुझे विश्वास है कि देश और बिहार की माताएँ और बहनें इस अपमान का विपक्ष को करारा जवाब देंगी। इससे पहले, बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए माफी नहीं मांगने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और राजद विधायक तेजस्वी यादव की आलोचना की। सिन्हा ने एएनआई से कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी यादव प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ का अपमान कर रहे हैं। उनकी पार्टी में किसी को शर्म नहीं आती। किसी ने माफ़ी नहीं मांगी। भारतीय जनता पार्टी (आईएनडी) गठबंधन महिलाओं का अपमान करता है। उन्होंने आगे कहा कि इस तरह के नकारात्मक बयान विकसित बिहार के सामाजिक सौहार्द को भ्रमित करने, भड़काने और कमज़ोर करने के लिए दिए जा रहे हैं। ये राक्षसी मानसिकता के लोग हैं। इन्हें विकास और महिला सशक्तिकरण की कोई परवाह नहीं है। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने इस तरह की टिप्पणियों से लोकतंत्र का अपमान करने के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना की। उन्होंने कहा, हमें भी बहुत दुख है कि कांग्रेस और महागठबंधन ने इस तरह लोकतंत्र का अपमान किया है... हम भी उस दर्द को महसूस कर सकते हैं जिससे प्रधानमंत्री गुजर रहे होंगे। उन्होंने आगे कहा कि बिहार की जनता प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ी है। चौधरी ने कहा कि किसी राजनीतिक संगठन द्वारा प्रधानमंत्री की माँ के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल से ज़्यादा दुर्भाग्यपूर्ण लोकतंत्र का अपमान करने वाली कोई घटना नहीं है। पूरा बिहार मर्माहत है और प्रधानमंत्री के साथ खड़ा है। इस बीच, एनडीए ने प्रधानमंत्री मोदी और उनकी दिवंगत माँ के खिलाफ अभद्र भाषा के इस्तेमाल को लेकर विपक्ष के खिलाफ 4 सितंबर को बिहार में राज्यव्यापी बंद की घोषणा की है।

वैश्विक राजनीति का निर्णायक मोड़-बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंच साबित हुआ

शंघाई सहयोग संगठन 31 अगस्त से 1 सितंबर 2025 तियानजिन चीन में बदलता हुआ अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य देखने को मिला।2025 की विश्व राजनीति इस मोड़ पर खड़ी है,जहाँ अमेरिकाकी पारंपरिक प्रभुत्वशाली स्थिति को गंभीर चुनौतियाँ मिल रही हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कीअमेरिका फर्स्ट-नीति,जिसमें टैरिफ औरएकतरफा आर्थिक प्रतिबंध प्रमुख हथियार हैं, ने न केवल चीन और रूस बल्कि भारत जैसे सहयोगी देशों के साथ भी तनाव पैदा कर दिया है।दूसरी ओर, यूक्रेन युद्ध, ताइवान विवाद, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा संकट जैसी घटनाओं ने दुनियाँ को अस्थिर बना रखा है। ऐसे समय में चीन के तियानजिन शहर में आयोजित 25वें शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन ने यह संकेत दिया कि एशिया और यूरेशिया के देश अब अपने हितों की रक्षा के लिए एकजुट हो रहे हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि यह सम्मेलन केवल एक औपचारिक मुलाकात नहींथा,बल्कियहबहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंच था। भारत, रूस और चीन की सक्रिय भागीदारी और आपसी समीकरणों ने यह साबित किया कि पश्चिमी दबाव अब उतना प्रभावी नहीं रह गया है जितना शीत युद्ध के बाद था।एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का पच्चीसवां शिखर सम्मेलन संयुक्त घोषणा पत्र के साथ समाप्त हो गया,31 अगस्त से लेकर 1 सितंबर तकचली इस बैठक में सदस्य देशों ने आतंकवाद, ट्रंप की संरक्षणवादी नीति, रूस और यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट एवं वैश्विक व्यवस्था पर पश्चिम के अधिपत्य के साथ कमजोर होती ग्लोबल गवर्नेंस पर अपनी चिंताएं साझा कीं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए इन्होंने अपने घोषणा पत्र में भारत के द्वारा दिए गए मूल संकल्प एक पृथ्वी, एक परिवार एवं एक भविष्य पर जोर दिया।चूंकि एससीओ का मुख्य जोर बहुध्रुवीकृत व्यवस्था को मजबूत करते हुए तीसरी दुनिया के देशों के हितों की रक्षा करना है, इसलिए इस सम्मेलन ने इन देशों की चिंताओं को रेखांकित करते हुए उसे दूर करने के प्रयास पर भी बल दिया गया।यह शिखर सम्मेलन भारत के लिए एक अवसर था, जहां एक ओर ट्रंप अपनी टैरिफ नीति से भारत के वैश्विक आकांक्षाओं को नियंत्रित करना चाह रहे हैं, तो दूसरी ओर पाकिस्तान अमेरिका के साथ शीतयुद्ध कालीन गठबंधन से भारत के शक्ति संतुलन को चुनौती देने के प्रयास में है, यह शिखर सम्मेलन वैश्विक राजनीति का निर्णायक मोड़-बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ाने का मंचसाबित हुआ इसी संदर्भ में इस शिखर सम्मेलन को समझने की आवश्यकता है। साथियों बात अगर हम भारतीय पीएम के कूटनीतिक क्रांति की करें तो,उनकी भूमिका इस सम्मेलन में बेहद अहम रही। भारतीय कूटनीति का यह नया चेहरा पश्चिम और एशिया दोनों को यह संदेश देने में सफल रहा कि भारत किसी का पिछलग्गू नहीं, बल्कि स्वतंत्र और संतुलनकारी शक्ति है।उन्होंने अपने भाषण में तीन प्रमुख बिंदु उठाए,आतंकवाद का उन्मूलन, संप्रभुता का सम्मान और वैश्विक आर्थिक संतुलन। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की संप्रभुता का उल्लंघन वैश्विक अस्थिरता को जन्म देता है। यह सीधा संदेश रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन- ताइवान विवाद दोनों से जुड़ा हुआ था।भारत की कूटनीति का यह स्वरूप अमेरिका के लिए भी चिंता का विषय है क्योंकि हाल ही में ट्रंप प्रशासन ने भारत की आईटी और फार्मास्यूटिकल कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की थी। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में मोदी का रवैया इस बात का प्रमाण था कि भारत आर्थिक दबावों के बावजूद स्वतंत्र विदेश नीति पर अडिग है। यही कारण है कि कई विश्लेषकों ने इसे मोदी की कूटनीतिक क्रांति नाम दिया। साथियों बात अगर हम इस सम्मेलन के सानिध्य से मोदी-पुतिन-जिनपिंग की यारी, कूटनीति का त्रिशूल की करें तो,इस सम्मेलन की सबसे बड़ी घटना थी मोदी, पुतिन और जिनपिंग का एक साथ आना। इसे पश्चिमी मीडिया ने न्यू एशियन ट्रिडेंट यानी कूटनीति का त्रिशूल कहा।अमेरिका ने हाल ही में भारत, रूस और चीन से आयातित तकनीकी उत्पादों, ऊर्जा संसाधनों और डिजिटल सेवाओं पर भारी टैरिफ लगाया था। ट्रंप का उद्देश्य था कि ये देश आर्थिक दबाव में आकर वाशिंगटन की शर्तें मान लें। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में तीनों नेताओं की एकजुटता ने यह साबित कर दिया कि रणनीतिक साझेदारी आर्थिक प्रतिबंधों से कहीं ज्यादा शक्तिशाली होती है (1) भारत- रूस-ऊर्जा और रक्षा सहयोग ने दोनों देशों को करीब रखा है। भारत रूस से कच्चा तेल और गैस आयात बढ़ा रहा है।(2)भारत-चीन- सीमा विवादों के बावजूद दोनों देशों का व्यापार 200 बिलियन डॉलर से ऊपर जा चुका है।(3)रूस-चीन- पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच चीन रूस का सबसे बड़ा ऊर्जा और तकनीकी साझेदार बन चुका है। इस त्रिकोणीय साझेदारी ने यह संकेत दिया कि अमेरिका की टैरिफ राजनीति लंबे समय तक इन देशों को कमजोर नहीं कर पाएगी। साथियों बात अगर हम पूरे विश्व का ध्यान मोदी- पुतिन की 45 मिनट की कार डिप्लोमेसी द्वारा आकर्षित करने की करें तो, शिखर सम्मेलन के दौरान मोदी और पुतिन की 45 मिनट लंबी कार यात्रा ने वैश्विक मीडिया में सुर्खियाँ बटोरीं।कार डिप्लोमेसी का यह अनोखा उदाहरण इसलिए अहम था क्योंकि एक दिन पहले ही मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी।कूटनीतिक विशेषज्ञ मानते हैं कि मोदी ने पुतिन तक जेलेंस्की का संदेश पहुँचाया और दोनों पक्षों के बीच संवाद की संभावना पर चर्चा की। रूस और यूक्रेन केबीच संवाद की किसी भी कोशिश में भारत की भागीदारी अमेरिका और यूरोप के लिए असहज स्थिति पैदा करती है,क्योंकि इससे भारत मध्यस्थ शक्ति के रूप में उभरता है।इसके साथ ही यह मुलाकात अमेरिका को सीधा संदेश भी थी कि भारत रूस से दूरी नहीं बनाएगा, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। यह वही नीति है जिसने भारत को शीत युद्ध के दौरानगुटनिरपेक्ष आंदोलन का अगुवा बनाया था जो विश्व के लिए रेखांकित करने वाली बात है। साथियों बात अगर हम चीन के मीडिया में मोदी- जिनपिंग की दोस्ती की जबरदस्त चर्चाओं की करें तो,चीन के घरेलू मीडिया ने मोदी- जिनपिंग की मुलाकात को जिस तरह से प्रचारित किया, वह अपने आप में एक कूटनीतिक संकेत था।चीन के प्रिंट, डिजिटल टीवी और सोशल मीडिया पर दिनभर इस दोस्ती की खबरें चलती रहीं।यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि पिछले कुछ वर्षों में भारत और चीन के संबंध लद्दाख सीमा विवाद और व्यापारिक प्रतिस्पर्धा के कारण तनावपूर्ण रहे हैं। लेकिन तियानजिन सम्मेलन में दोनों नेताओं के बीच नरमी के संकेत मिले। चीन जानता है कि अमेरिका के खिलाफ एक मजबूत एशियाई गठबंधन तभी संभव है जब भारत और चीन के बीच संतुलन बना रहे। ड्रैगन- एलीफैंट फ्रेंडशिप का यह नया अध्याय पश्चिमी देशों के लिए चिंता का विषय है। यदि भारत और चीन आपसी मतभेद कम कर लें,तो एशिया की अर्थव्यवस्था और राजनीतिक ताकत पश्चिमी दबावों का मुकाबला आसानी से कर सकती है। साथियों बात अगर हम एससीओ द्वारा जारी संयुक्त घोषणा पत्र में भारत की कूटनीतिक जीत की करें तो पहलगाम आतंकी हमले की निंदा-22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में निर्दोषनागरिकों और फिल्म कलाकारों की मौत ने पूरे क्षेत्र को हिला दिया था। एससीओ शिखर सम्मेलन के घोषणा पत्र में पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की गई।यह निंदा केवल औपचारिकता नहीं थी, बल्कि भारत की कूटनीतिक जीत थी। एससीओ के कई सदस्य देश पाकिस्तान के साथ करीबी रखते हैं, लेकिन इस बार सभी ने आतंकवाद पर एकजुट होकर भारत का समर्थन किया।इससे पाकिस्तान पर दबाव बना कि वह अपने यहाँ पल रहे आतंकी ढाँचों पर कार्रवाई करे। भारतीय पीएम ने अपने संबोधन में दोहराया कि आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड नहीं हो सकते। यह बयान अमेरिका और यूरोप तक संदेश देने वाला था, जहाँ अक्सर आतंकवाद को राजनीतिक संदर्भ में तौला जाता है। साथियों बात अगर हम शिखर सम्मेलन द्वारा जारी संयुक्त घोषणा पत्र को समझने की करें तो, इसमें छह बड़े बिंदु शामिल थे- (1) आतंकवाद और अलगाववाद के खिलाफ साझा लड़ाई। (2) आर्थिक सहयोग- ऊर्जा, तकनीक और डिजिटल अर्थव्यवस्था पर ध्यान। (3)सार्वभौमिक संप्रभुता का सम्मान- किसी भी देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने का वादा। (4) अमेरिकी टैरिफ नीति की अप्रत्यक्ष आलोचना। (5) यूरेशियन कनेक्टिविटी, बीआरआई और भारत की चाबहार परियोजना को जोड़ने की संभावना।(6) सांस्कृतिक और शैक्षिकसहयोग।यह घोषणा पत्र एससीओ को केवल सुरक्षा मंच से आगे ले जाकर आर्थिक और सांस्कृतिक साझेदारी का केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था।

सम्पादकीय...

महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनेता रहे हैं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन भारतीय दर्शन और संस्कृति के ऐसे महान दार्शनिक, शिक्षक और राजनेता रहे हैं जिन्होंने अपने विचारों और कार्यों से पूरे विश्व में भारत की पहचान स्थापित की। उनका जीवन केवल शिक्षा और राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने भारतीय संस्कृति की आत्मा को पश्चिमी जगत में प्रस्तुत कर उसे मान्यता दिलाई। उनके जन्मदिन 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के रूप में मनाना इस बात का प्रतीक है कि वह सदैव एक शिक्षक के रूप में स्मरणीय रहेंगे। उन्हीं के जीवन और विचारों पर केंद्रित पुस्तक एस. राधाकृष्णन- व्यक्तित्व और कृतित्व का दूसरा संस्करण डायमंड बुक्स द्वारा प्रकाशित किया गया है, जिसकी लेखिका डॉ. ममता आनंद हैं। यह पुस्तक राधाकृष्णन के जीवन, दर्शन और उनके विचारों की आज की परिस्थितियों में प्रासंगिकता को अत्यंत प्रभावी शैली में प्रस्तुत करती है। डॉ. ममता आनंद स्वयं एक विदुषी शिक्षाविद् और शोधकर्ता हैं। वह जबलपुर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग में अंग्रेजी विभाग की प्रमुख हैं और 2008-09 में उन्हें फुलब्राइट फेलोशिप के तहत हार्वर्ड तथा कोलगेट विश्वविद्यालय में शोध का अवसर मिला। उन्होंने राल्फ वाल्डो इमर्सन और डॉ. राधाकृष्णन पर गहन अध्ययन किया और इसके लिए उन्हें इमर्सन सोसाइटी, वाशिंगटन डीसी से अंतरराष्ट्रीय शोध पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। उनके इस अनुभव और गहनता का प्रतिबिंब इस पुस्तक में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। यह पुस्तक केवल जीवनी भर नहीं है, बल्कि एक दार्शनिक यात्रा है जिसमें राधाकृष्णन के जीवन-दर्शन और विचारों को साहित्यिक सौंदर्य के साथ प्रस्तुत किया गया है। राधाकृष्णन का मानना था कि भारतीय संस्कृति की आत्मा नैतिकता और आध्यात्मिकता में निहित है। उन्होंने पश्चिमी समाज को यह समझाया कि भारतीय परंपरा केवल धार्मिक अनुष्ठानों का समूह नहीं, बल्कि मानवता और सहयोग पर आधारित एक सार्वभौमिक संस्कृति है। लेखिका ने इन्हीं विचारों को इस पुस्तक में अत्यंत सजीव ढंग से प्रस्तुत किया है। विशेष रूप से महिलाओं की स्थिति पर आधारित अध्याय इस संस्करण की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता है। इसमें राधाकृष्णन के दृष्टिकोण को आज की सामाजिक चुनौतियों से जोड़ते हुए दिखाया गया है कि महिलाएं ही समाज को नैतिक शक्ति और नई दिशा देने में सक्षम हैं। उन्होंने गीता से यह उद्धरण दिया है कि स्त्रियों में स्मृति, मेधा, धैर्य और वाणी जैसे गुण भगवान का ही स्वरूप हैं। भारत सहित पूरी दुनिया में आज जब महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और समानता का प्रश्न गंभीर चिंता का विषय है, तब राधाकृष्णन के विचार अत्यंत प्रासंगिक हो उठते हैं। घटते लिंगानुपात, बढ़ते अपराध और आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याओं पर ध्यान दिलाते हुए यह पुस्तक स्पष्ट करती है कि महिलाओं की उपेक्षा केवल उनके ही विकास को नहीं रोकती, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र की प्रगति को बाधित करती है। राधाकृष्णन का यह कथन कि पुरुष और महिला प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि पूरक हैं, आज की परिस्थितियों में एक मार्गदर्शक सत्य के रूप में उभरता है। पुस्तक की शैली इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। लेखिका ने दार्शनिक चिंतन को सरल, स्पष्ट और आकर्षक भाषा में प्रस्तुत किया है। गहन विचारों को भी उन्होंने साहित्यिक प्रवाह में ढालकर पाठकों के लिए सहज बना दिया है। कहीं भी यह ग्रंथ बोझिल नहीं लगता, बल्कि पाठक को निरंतर आगे पढ़ने के लिए प्रेरित करता है। यह न केवल दर्शनशास्त्र के विद्यार्थियों और साहित्य प्रेमियों के लिए उपयोगी है, बल्कि सामान्य पाठक के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस पुस्तक की सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि इसने राधाकृष्णन के विचारों को वर्तमान समय के संदर्भ में पुनः जीवित कर दिया है। इसमें यह स्पष्ट किया गया है कि हिंसा, असमानता और प्रतिस्पर्धा की भावना से मानव समाज कभी भी शांति और प्रगति की ओर नहीं बढ़ सकता। इसके विपरीत, सहयोग, आत्मज्ञान और नैतिक मूल्यों पर आधारित जीवन ही हमें सच्चे अर्थों में आगे ले जा सकता है। पुस्तक में जोड़े गए नए अध्याय विचार और आदर्श- एक रचनात्मक क्रांतिम ने इसकी महत्ता और भी बढ़ा दी है और पाठकों को यह सोचने पर विवश किया है कि जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है। पुस्तक के माध्यम से पाठक को यह अनुभव होता है कि राधाकृष्णन की शिक्षाएँ केवल बीते युग की बातें नहीं हैं, बल्कि वे आज के समय में भी उतनी ही सार्थक हैं। उनका यह विश्वास कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि व्यक्ति को बेहतर इंसान बनाना है, हमारे लिए आज भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है जितना उनके समय में था। उनकी यह चेतावनी कि यदि हम नैतिकता और आध्यात्मिकता से विमुख हो जाएंगे तो सभ्यता का पतन अनिवार्य है, आज की परिस्थितियों में एक चेतावनी की तरह सुनाई देती है। समग्र रूप से देखा जाए तो एस. राधाकृष्णन- व्यक्तित्व और कृतित्व एक ऐसी पुस्तक है जो दार्शनिक चिंतन, साहित्यिक सौंदर्य और सामाजिक प्रासंगिकता–तीनों का अद्भुत संगम है। यह केवल विद्वानों या अध्येताओं के लिए नहीं, बल्कि उन सभी पाठकों के लिए है जो जीवन के सही अर्थ और उद्देश्य की खोज करना चाहते हैं। डॉ. ममता आनंद की यह कृति न केवल राधाकृष्णन की दार्शनिक विरासत को संरक्षित करती है, बल्कि उसे नई पीढ़ी तक पहुँचाकर और भी प्रासंगिक बना देती है। यह पुस्तक हमें यह सिखाती है कि जीवन का सार आत्मज्ञान, नैतिकता और सहयोग में छिपा है। हिंसा और भेदभाव से मुक्त होकर जब हम अपने सच्चे आत्म के आधार पर समाज और राष्ट्र का निर्माण करेंगे। तभी वास्तविक विकास संभव होगा। यह ग्रंथ हर उस व्यक्ति को पढ़ना चाहिए जो यह समझना चाहता है कि भारतीय दर्शन और संस्कृति का मूल संदेश क्या है और आज के समय में उसे किस प्रकार अपनाया जा सकता है।

शिक्षा का महत्व और वर्तमान शिक्षा पद्धति में सुधार की आवश्यकता

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

सर्वप्रथम क्यों न हम जीवन में शिक्षा की आवश्यकता व्यवस्था पर प्रारंभ से ही अपनी बात प्रारंभ करें, ताकि हमको इसके तह तक जाते-जाते इसके प्रत्येक आयामों, प्रत्येक चरणों का पूर्ण परिचय प्राप्त हो जाए। अब स्वाभाविक रूप से यही सवाल उठता है कि शिक्षा हम मनुष्यों के जीवन में क्यों आवश्यक है? और शिक्षा को क्यों महत्व दें..? इसके उत्तर में हम कह सकते हैं कि शिक्षा हमें राष्ट्र समाज, समुदाय अंततः परिवार में प्रेम, सहृदयता, सहयोग, सहानुभूति, ईमानदारी, व्यक्तित्व निर्माण कर्तव्यपालन आदि आयामों का परिचय तो चलो शिक्षा द्वारा दिया जा रहा है,... लेकिन शिक्षा की पद्धति क्या हो? और कैसी हो तब हम इसका परिचय इस प्रकार दे सकते हैं कि उन नियमों सिद्धांतों व्यवहारों के तहत जिसे हम समझ कर शिक्षा प्रदान करने का माध्यम चुनते हैं। वहीं शिक्षा पद्धति कहलाती है। जिस प्रकार प्राचीनकाल में छात्र गुरु के आश्रम में रहकर ब्रम्हचर्य व्रत का पालन करते हुए एक निश्चित अवधि तक विद्याध्ययन करता था। उसका वह जीवन छात्र जीवन कहलाता था, किंतु आज के युग में किसी स्कूल या कालेज में निश्चित अवधि तक नियमित रूप से और पाठ्यक्रम के अनुसार शिक्षा प्राप्त करना हो तो छात्र जीवन कहलाता है। शिक्षा प्राप्ति और ज्ञानार्जन के दूसरे क्षेत्र भी हैं, लेकिन जीवन की प्रारंभिक अवस्था में शैक्षिक केंद्रों में शिक्षा प्राप्त किया जाता है। इस संबंध में आचार्य विनोबा भावे ने कहा है- शिक्षा जीवन के बीच से आनी चाहिये और शिक्षा का अर्थ जीने की कला होना चाहिये। शैक्षिक जीवन एक तपस्वी का जीवन होता है जिसमें दुनिया की सभी बातों से विरत अलग रहकर केवल शिक्षा की ओर ध्यान लगाना पड़ता है। लेकिन मात्र पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त करना ही शिक्षा का उद्देश्य नहीं है। इससे सैद्धांतिक शिक्षा भले ही उपलब्ध हो जाती है व्यावहारिक शिक्षा जो जीवन निर्माण की एक कला है, वह प्राप्त नहीं हो पाती है। इसके लिये अनुशासित होकर व्यावहारिक शिक्षा प्राप्त करना भी बहुत आवश्यक है। हमें इसके उत्तमोत्तम परिणाम के लिये आज के संदर्भ में शिक्षा पद्धति के सर्वोत्तम पद्धति की खोज करना परम आवश्यक है। परतंत्रता के युग में अंग्रेजी शासन ने भारत की शिक्षा पद्धति में ऐसी किसी विशेषता का समावेश नहीं किया, जिससे छात्र समाज एवं राष्ट्र के लिये अपने कर्तव्यों के प्रति जागरुक हो सकें। हमारी शिक्षा पद्धति के दोषपूर्ण होने के कारण छात्र जीवन का लाभ विद्यार्थी नहीं उठा पाते और छात्र जीवन की समाप्ति के बाद भी स्वावलंबी नही बन पाते हैं। स्वाधीनता के प्राप्ति के बाद शिक्षा पद्धति में आमूल परिवर्तन करने के लिये योजनायें प्रस्तुत की गई एवं पूर्ण तथा नवीन शिक्षा-पद्धति के निर्माण के लिये निरंतर प्रयोग किये गये। कुछ सफलतायें मिली, कुछ असफलतायें भी हाथ लगीं।

शिक्षा के माध्यम से देश के युवा-जगत में नवीन चेतना उत्पन्न करने के प्रयत्न अभी भी चल रहे हैं। प्रयत्न तो चल रहे हैं मगर स्वतंत्रता प्राप्ति के सात दशक से भी अधिक अवधि बीत जाने पर भी यह मात्र प्रयोग ही बनकर रह गया है। सच तो यह है कि शिक्षा के क्षेत्र में जिस आमूल परिवर्तन की आवश्यकता थी, वह हो ही नहीं पायी। अंग्रेजों द्वारा अपनायी गई शिक्षा पद्धति का बहुलांश वर्तमान शिक्षा पद्धति में यथावत चला आ रहा है, सर्वप्रथम इसमें परिवर्तन की महती आवश्यकता है। वर्तमान दोष– आज छात्रों के सम्मुख अनेक समस्यायें हैं वैसे तो उन समस्याओं के कई कारण हैं। लेकिन प्रमुख कारण तो यह है कि वर्तमान शिक्षा पद्धति में अनेक खामियां हैं। आज की शिक्षा पद्धति में छात्रों के चरित्र निर्माण की ओर तनिक भी ध्यान नहीं दिया जाता है। न तो शिक्षकों में छात्रों के प्रति स्नेह की भावना होती है और न ही छात्रों में शिक्षकों के प्रति श्रद्धा। आज पठन पाठन की बात महज औपचारिकता बनकर रह गयी है। दूसरी बात यह है कि आज की शिक्षा पद्धति जीवनोपयोगी भी नहीं रह गयी है। आज शिक्षा प्राप्त कर भी छात्रों का भविष्य अंधकारमय ही रहता है। लक्ष्यविहीन शिक्षा प्राप्त कर वे अंधकार में भटकते रहते हैं। इस स्थिति में उनका पथ भ्रष्ट होना स्वाभाविक है। सामाजिक वातावरण भी छात्रों के अनुकूल नहीं है, आज के नेतागण छात्रों को बहकाने में ही लगे हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के इतने वर्ष बाद भी शिक्षा-पद्धति में सुधार के नाम पर हमेशा प्रयोग ही हो रहे हैं। पाठ्यपुस्तकों के पाठ्य जब शिक्षकों की समझ से बाहर के होते हैं तो छात्रों के लिये कुछ कहने की बात ही नहीं। आज छात्रों के पढ़ने की कोई समुचित व्यवस्था नहीं है। उनके विद्यालय अथवा महाविद्यालय कोलाहल भरे स्थानों पर होते हैं। उनके लिये छात्रावासों की भी समुचित व्यवस्था नहीं है। भारत के अधिकांश छात्र निर्धन वर्ग के हैं। उनके तन पर पर्याप्त वस्त्र हैं और न पेट में अन्न। ऐसी स्थिति में अध्ययन की ओर उनकी रुचि कैसे हो सकती है। बहुत से प्रतिभाशाली छात्रों की प्रतिभा इन्हीं समस्याओं के कारण दबी रह जाती है। आज की शिक्षा पद्धति कैसी हो– हमें वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के साथ भी तालमेल बिठाकर परिवर्धित, परिसंस्कृत, संशोधित नयी शिक्षा प्रणाली का विकास करना होगा, जिसमें शिक्षा जैसी विराट ब्रम्ह स्वरुप कार्य अंतर्गत छात्र, शिक्षक, सदाचार, कर्तव्य, व्यक्तित्व निर्माण, कला, साहित्य, सहित परिवार, समाज, देश के साथ शैक्षिक केन्द्रों का उचित तालमेल व समन्वय होना अत्यावश्यक है। छात्रों का रहन-सहन सादा और नियमित होना चाहिए। छात्रों को अनुशासन का वास्तविक पाठ रहन-सहन के माध्यम से ही सीखना चाहिये। शारीरिक श्रम व्यायाम आदि के द्वारा छात्रों के स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिये। महात्मा गांधी ने छात्र जीवन में ब्रम्हचर्य का पालन अत्यंत आवश्यक माना है।खासकर आज के परिवेश में जो में समस्यायें सामने आ रही हैं इन समस्याओं के समाधान के लिये भी इस ओर पूर्व प्रयत्नशील ही होना चाहिये। देश का भविष्य अंधकार में न गिर पड़े, इसके लिये छात्रों को नैतिक शिक्षा के साथ-साथ जीवनोपयोगी शिक्षा की व्यवस्था आवश्यक है। शिक्षा पद्धति में परिवर्तन के लिये कोई स्थाई और ठोस आधार निश्चित किये जाय। इस दिशा में छात्र स्वयं प्रयत्नशील हो सकते हैं, किंतु उनका आधार असामाजिक नहीं होना चाहिये। हड़ताल, घेराव, तोड़फोड़ या भोंडे प्रदर्शन से उनकी समस्याओं का समाधान नहीं हो सकता। आज की शिक्षा पद्धति ऐसी हो कि विद्यार्थी स्वयं ही भावी जीवन निर्माण के लिये उन्मुख हो। इस प्रकार हम समझ सकते हैं कि शिक्षा पद्धति का महत्व कितना ज्यादा है। समाज में व्याप्त अनैतिकता, अंधविश्वास, रूढ़ि मुनाफाखोरी, भ्रष्टाचार इत्यादि को कैसे दूर किया जा सकता है। समाज को कैसे स्वच्छ बनाया जा सकता है। इन विषयों को हमें अपनि शिक्षा पद्धति में शामिल करना ही होगा। गांधीजी इसी पर सबसे अधिक बल देते थे वे कहते थे कि छात्रों को देश की राजनीति के गुणदोष, जातिप्रथा की बुराईयों न और संप्रदायों के नाम पर फैले पाखंड इत्यादि पर विचार करना चाहिये तथा अपनी संस्कृति के मूल तत्वों से अवगत होना चाहिये। अंततः अपनी बात:- अभी तक हमने शिक्षा क्या है, क्यों दी जाय तथा कैसी दी जाय और उसके तहत होने वाले प्रभावों को देखते हुए वर्तमान की शिक्षा प्रणाली को असंतोषजनक स्थिति में पाया है। तब मेरे मन में यह बात उठ रही है कि जब तक नहीं चेतेंगे हम आप सभी, तब तक नहीं सुधरेगा यह समाज।वैसे तो और भी कई बातें हैं जो वर्तमान शिक्षा पद्धति में सुधार की अपेक्षा रखती हैं जैसे पहली बात तो यह है कि शिक्षा पद्धति ऐसी होनी चाहिये जो ऊपर से लादी गयी बोझ मालूम न पड़े, और अध्ययन मनन की ओर विद्यार्थियों की मनोवृत्ति को आकर्षित करे। यह कार्य थोड़ा कठिन तो अवश्य है मगर इसके कारण वर्तमान की शिक्षा पद्धति की कई समस्याओं का हल अपने ही आप निकल आयेगा। या यह कह सकते हैं कि जब तक हम आप सभी शिक्षा पद्धति के सर्वोत्तम परिणाम व संतोषजनक स्थिति प्राप्त करने के लिए प्रयत्न-प्रण नहीं करते तब तक कुछ भी नहीं हो सकता है।

जल प्रलय की विभीषिका

पंजाब, हिमाचल, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हरियाणा इस समय विनाशकारी बाढ़ की चपेट में हैं। भारी बारिश ने समूचे उत्तर भारत में तबाही का मंजर पैदा कर दिया है। जल प्रलय की स्थिति इतनी भयानक है कि दृश्य देखने से ही रौंगटे खड़े हो जाते हैं। हिमाचल और उत्तराखंड में गांव दबते जा रहे हैं। बादल फटने की लगातार घटनाओं ने हाहाकार मचा रखा है। पंजाब में खेत के खेत और 1200 से अधिक गांव डूब चुके हैं। मरे हुए मवेशियों की लाशें डूबती नजर आ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं में सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है।

हजारों लोग अपनी जान बचाने के लिए सुरक्षित स्थानों की तलाश में पानी में तैरते नजर आ रहे हैं। चांद पर और अंतरिक्ष में पहुंचने वाला इंसान प्राकृतिक आपदाओं के आगे असहाय नजर आ रहा है। बाढ़ की त्रासदी झेल रहे इन राज्यों में जान और माल की व्यापक क्षति तो हुई ही है साथ ही साथ खेतों में खड़ी फसलें भी नष्ट हो चुकी हैं।

अगस्त की बारिश घनघोर रूप से बरसी। हिमालय के नाजुक ढलानों को तरबतर करते हुए मैदानी इलाकों में तटबंधों को तोड़कर निचले इलाकों को जलमग्न कर रही है।

सितंबर में भी भारी वर्षा की भविष्यवाणी की जा रही है। मॉनसून की बढ़ती अनियमितता अनिश्चितता का संकेत दे रही है। इस बाढ़ के परिणाम तत्कालीन नुकसान से कहीं आगे तक दिखाई देंगे। पंजाब के 1300 से अधिक गांव जलमग्न हैं। 3 लाख एकड़ में फसलें डूब गईं। हिमाचल को आपदा प्रभावित राज्य घोषित कर दिया गया है। चंडीगढ़, मनाली फोर लेन सहित 5 नैशनल हाइवे और 800 सड़कें बंद पड़ी हैं। हरियाणा के सात जिलों में भी बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य में अब तक 2.50 लाख एकड़ में फसलों को नुक्सान हुआ है और 40 हजार से अधिक किसान प्रभावित हुए हैं। उत्तराखंड और जम्मू -कश्मीर में भी व्यापक तबाही मची हुई है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली समेत एनसीआर में यमुना उफान पर है। दक्षिण पश्चिम मॉनसून की तीव्रता और मात्रा चरम बिन्दु के आसपास घट-बढ़ रही है। भारी वर्षा ने पहाड़ों को अस्थिर कर दिया है और नागरिक बस्तियों के लिए जोखिम बढ़ा दिया है। जलवायु परिवर्तन से बुनियादी ढांचे का विकास पिछड़ने का खतरा पैदा हो गया है। पंजाब तो पहले से ही कृषि संकट से जूझ रहा था। बाढ़ की तबाही ने इस बड़े उपजाऊ क्षेत्र के संकट को और भी गंभीर बना दिया है।

किसानों को अब सामान्य स्थिति बहाल करने में वर्षों लग जाएंगे। हिमाचल और उत्तराखंड में सड़कों का पूरा नेटवर्क ही बिखर गया है। दोनों पहाड़ी राज्य आपदा के पुराने जख्मों से उबर नहीं पाए कि नई आपदाओं ने इन्हें पूरी तरह से घेर लिया। ध्वस्त हुए पुलों ने न केवल कनेक्टीविटी को अवरुद्ध किया है बल्कि पर्यटन उद्योग के लिए बहुत बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। बाढ़ की विभीषिका ने हजारों लोगों को विस्थापित किया है जिससे इन राज्यों का सामाजिक ताना बाना बिगड़ने की आशंका उत्पन्न हो गई है।

पहाड़ी राज्यों में सड़कों और पुलों के निर्माण में काफी समय लग सकता है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर 60 हजार करोड़ रुपए की मांग की है। पहाड़ी राज्य और हरियाणा को भी सहायता की जरूरत होगी। ऐसी स्थिति में राहत मात्र जवाबी उपायों तक सीमित नहीं रह सकती। इस समय बाढ़ की चपेट में आए लोग केन्द्र और राज्य सरकारों से सहायता की उम्मीद कर रहे हैं। इस समय नौकरशाही ओर प्रशासन तंत्र की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होनी चाहिए। विनाश को देखते हुए केन्द्र के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। इन राज्यों को आपदा राहत निधि और विशेष पैकेज की तुरंत जरूरत है। केन्द्र और राज्यों को दलगत राजनीति से ऊपर उठकर आपस में संवादहीनता को खत्म करना चाहिए। बाढ़ पीड़ितों को इस समय भोजन, दवाइयों और वित्तीय मदद की जरूरत है। इस संकट की घड़ी में सभी को मदद के लिए हाथ बढ़ाने चाहिए। भारत में लगभग हर राज्य किसी न किसी रूप में बाढ़ से प्रभावित होता है। बिहार राज्य बाढ़ से सर्वाधिक प्रभावित है। वर्ष 1954 से चल रहे राष्ट्रीय बाढ़ नियंत्रण कार्यक्रम के तहत अभी तक प्रभावशाली बाढ़ नियंत्रण प्रणाली विकसित नहीं की जा सकी। विडम्बना यह है कि नौकरशाही और प्रशासन का पूरा तंत्र बाढ़ को आपदा उत्सव बना बैठे हैं। बाढ़ राहत कार्यों में जमकर भ्रष्टाचार होता है। राहत अभियान की खबरें और बजट जोर शोर से प्रचारित किए जाते हैं लेकिन धरातल पर कुछ ज्यादा नहीं किया जाता। जब तक टिकाऊ बुनियादी ढांचे, भूस्खलन को रोकने, नदियों के किनारे शहरी बस्तियां बसाने से रोकने और पूर्व चेतावनी प्रणालियों पर गंभीरता से काम नहीं किया गया तो हम सबको अगले मॉनसून के दौरान कहर का एक और दौर झेलने के लिए तैयार रहना होगा। गैर सरकारी संगठनों को भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए ईमानदारी से प्रयास करने होंगे। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि बाढ़ प्रभावित राज्यों की अर्थव्यवस्था को पटरी पर कैसे लाया जाए।

मैं डिग्री नहीं दिखाऊंगा

मैं डिग्री नहीं दिखाऊंगा। यह मैं नहीं कह रहा। यह तो सरकार जी कह रहे हैं। और सरकार जी की इस बात में न्यायालय की सपोर्ट भी शामिल है। न्यायालय कहता है कि किसी की डिग्री देखना या दिखाना उसकी निजता का उल्लंघन है। बात हम सरकार जी की बीए और एमए की डिग्री की कर रहे हैं। कहा जाता है कि सरकार जी ने बीए और एमए किया है। बीए दिल्ली यूनिवर्सिटी से पास किया है और एमए अहमदाबाद यूनिवर्सिटी से। लोगों को बस इसी बात पर शक है। और अगर शक दूर न किया जाये तो वह यकीन में बदल जाता है। और अब तो यह यकीन होता जा रहा है कि सरकार जी के पास डिग्री है ही नहीं। लेकिन डिग्री तो थी। सरकार जी की डिग्री उनके पास न हो, यूनिवर्सिटी के पास न हो, पर अमित शाह जी और दिवंगत अरुण जेटली जी के पास तो थी ही। उन्होंने वह डिग्री प्रेस कांफ्रेंस में लहराई भी थी। उनकी सरकार जी की डिग्री लहराते हुए फोटो अगले दिन अखबारों में छपी भी थी। इन दिनों भी लोगबाग उस फोटो को, अमित शाह और अरुण जेटली जी को सरकार जी की डिग्री दिखाने की फोटो को, सोशल मीडिया पर दिखाते रहते हैं। खैर हम मान लेते हैं, सरकार जी पढ़े लिखे हैं। खूब पढ़े हैं। और जो भी विषय पढ़े हैं, एंटायर पढ़े हैं। मतलब एंटायर ही पढ़े हैं। उससे कम तो सरकार जी पढ़ते ही नहीं हैं। सरकार जी जब एंटायर फिजिक्स पढ़े तो नाले में से कुकिंग गैस निकालने लगे। एंटायर डिफेन्स पढ़ने पर राडार द्वारा बादलों के पार देखना असंभव बताने लगे। एंटायर पर्यावरण विज्ञान पढ़ अधिक सर्दी और गर्मी लगने की वजह अपना और हम सब का बूढ़ा होना बताने लगे। एंटायर विज्ञान पढ़ने का लाभ यह हुआ कि वैज्ञानिकों के सामने बताने लगे कि विश्व का पहला और एकमात्र हेड ट्रांसप्लांट हमारे यहाँ हुआ और गणेश जी का हुआ। यहाँ तो डॉक्टरों के एक टेस्ट ट्यूब बेबी पैदा करने में पसीना आ जाता है पर सरकार जी ने बताया कि हमने हजारों साल पहले एक सौ टेस्ट ट्यूब बेबी एक साथ पैदा कर दिये थे। सरकार जी ने जिस तरीके से पढ़ाई की उसे गुप्त पढ़ाई कहते हैं। मतलब आप पढ़ते हैं पर आपको किसी ने पढ़ते हुए नहीं देखा होता है। आपके साथ कोई नहीं पढ़ता है। न तो आपका कोई सहपाठी होता है और न ही किसी ने आपके साथ परीक्षा दी होती है। परीक्षा में न तो आपने किसी की नकल की होती है, न ही किसी को नकल करवाई होती है। कॉलेज की तो छोड़ो सरकार जी का तो कोई स्कूल का साथी भी नहीं मिलता है। कोई नहीं मिलता जो बता सके कि जब सरकार जी, बचपन में नदी किनारे खेलते हुए मगरमच्छ के बीच से गेंद ले आये थे तब मैं उनके साथ खेल रहा था। हाँ, सरकार जी ने एक बार जरूर अपने एक मित्र का जिक्र किया था, शायद अनवर नाम था उसका। सरकार जी उसके घर खाना खा लेते थे और वह सरकार जी के घर। पर वह भी सामने नहीं आया। हो सकता है, वह 2002 के दंगों में मारा गया हो। बात तो हम शिक्षा की कर रहे थे। अभी, कुछ ही महीने पहले, मैं इंग्लैंड गया था। वहाँ ऑक्सफोर्ड भी जाना हुआ। वहाँ पर ट्रिनिटी स्कूल (कॉलेज) भी गया। वहाँ पर ऑक्सफोर्ड के विशिष्ट छात्रों के नाम लिखे हुए थे।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने कदम ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पैंथलिका एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2011/0883)

ऑपरेशन मजनू में 7 के विरुद्ध हुई कार्रवाई

पडरौना, कुशीनगर ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के द्वारा प्रदेश की बहन बेटियों को पूरी सुरक्षा देने का वादा निभाया जा रहा है जिसके अंतर्गत जनपद कुशीनगर में मिशन शक्ति एवं आपरेशन मजनू के तहत उदित नरायण इंटरकालेज पडरौना कुशीनगर की छात्राओं द्वारा की गयी शिकायत पर कुल 07 लोगों के विरुध्द की गयी कार्यवाही की गई। आपरेशन मजनू के संदर्भ में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा के द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया गया कि उदित नरायण इंटरकालेज पडरौना कुशीनगर में विशेष जागरुकता कार्यक्रम में छात्राओं को महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा के प्रति जागरुक किया गया था। कार्यक्रम में छात्राओं से वन टू वन संवाद करके तथा प्राप्त फीडबैक के आधार पर छात्राओं द्वारा कुछ लोगों के विरुध्द शिकायत की गई थी। मौके पर ही त्वरित कार्यवाही के लिए छः टीमों(सादे वस्त्रों में) का गठन करके कड़ी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये थे। जिसमें कार्यवाही करते हुए कुल 07 लोगों को पकड़ा गया है तथा अग्रिम कार्यवाही की जा रही है। कुशीनगर पुलिस के द्वारा ऑपरेशन मजनू के तहत इरफान अंसारी पुत्र हजरत अंसारी निवासी खिरिया टोला पडरौना थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर उम्र करीब 18 वर्ष,आकाश मध्देशिया पुत्र स्व0 गिरजा शंकर मध्देशिया निवासी गुदरी बाजार थाना को0 पडरौना कुशीनगर उम्र करीब 24 वर्ष- कान्हा जायसवाल पुत्र राजन जायसवाल निवासी सोनारी गली नेहरू

नगर थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर उम्र करीब 18 वर्ष-कृष्णा खरवार पुत्र शम्भू खरवार निवासी सुसवलिया थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर उम्र करीब 20 वर्ष,पंकज चौहान पुत्र रोशन चौहान निवासी बडहरागंज थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर उम्र करीब 19 वर्ष,कृष्णा भारती पुत्र विजयी भारती निवासी सुसवलिया थाना को0 पडरौना जनपद कुशीनगर उम्र करीब 21 वर्ष और राकेश मणि त्रिपाठी पुत्र मिथिलेश मणि त्रिपाठी निवासी बांसपार बुजुर्ग थाना बैतालपुर जनपद देवरिया उम्र करीब 52 वर्ष के विरुद्ध कार्रवाई की गई। पुलिस अधीक्षक श्री मिश्र ने जानकारी देते हुए बताया कि ये लोग स्कूल/कोचिंग आते-जाते समय छात्राओं पर छींटाकशी और कमेंटबाजी करते थे, ये लोग सोशल मीडिया के माध्यम से गलत फोटो व मैसेज करते थे तथा छात्राओं को तंग भी करते थे।

छात्रायें सामाजिक संकोच और भय के कारण वे पहले शिकायत करने से हिचकती थीं। पुलिस अधीक्षक के साथ संवाद के बाद छात्राओं ने अपनी शिकायतें साझा कीं। बता दें कि जनपद कुशीनगर में पुलिस अधीक्षक कुशीनगर संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में महिला सुरक्षा को सुदृढ़ करने हेतु बालिकाओं/महिलाओं की सुरक्षा के उद्देश्य से जनपद में एक विशेष अभियान आपरेशन मजनू- चलाया गया है।

*इस अभियान के अन्तर्गत स्कूल/कालेज/मार्निंग वाक पर जाने वाले महिलाओं/बालिकाओं से छेड़खानी / छिंटाकशी करने वाले तथा स्कूल कालेज के बाहर बिना कारण के घूमने वाले लोगों के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करते हुए दिनांक 01.09.2025 को कुल 124 बदमाश लड़कों तथा अबतक कुल करीब 215 बदमाश लड़कों को पकड़कर उनपर विधिक कार्यवाही की गई है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत बरहज में हुआ जागरूकता कार्यक्रम

देवरिया।

महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वीमेन योजना के अंतर्गत बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरहज में एक दिवसीय प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत आयोजित हुआ, जिसमें पीसीपीएनडीटी अधिनियम (गर्भाधान पूर्व एवं प्रसव पूर्व नैदानिक तकनीक अधिनियम) तथा एमटीपी अधिनियम (गर्भपात चिकित्सा अधिनियम) पर विस्तृत जानकारी दी गई। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों, एएनएम तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सहभागिता वाले इस कार्यक्रम में भ्रूण लिंग परीक्षण पर पूर्ण प्रतिबंध, महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमा की सुरक्षा, किशोरियों के अधिकार और सामुदायिक जागरूकता की आवश्यकता पर जोर दिया गया। हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफ वीमेन की जेंडर स्पेशलिस्ट मंशा सिंह ने कहा कि भ्रूण लिंग परीक्षण न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह समाज की नैतिक जड़ों पर भी चोट करता है। उन्होंने अल्ट्रासाउंड केंद्रों की जवाबदेही और लिंगानुपात सुधार में जनता की सक्रिय भागीदारी को अनिवार्य बताया। वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रशासक नीतू भारती ने कन्वर्जेन्स मॉडल, संयुक्त मॉनिटरिंग एवं संस्थागत प्रसव को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश तभी सार्थक होगा जब यह जन-जन तक पहुँचे। वहीं सेंटर की मनोवैज्ञानिक मीनू जायसवाल ने कहा कि बेटियों का सम्मान समाज की जिम्मेदारी है, क्योंकि बेटियां ही सशक्त भारत की मजबूत नींव हैं।

ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना का प्रशिक्षण आयोजित

ग्राम पंचायत सहायकों को दी गई तकनीकी जानकारी

भटनी देवरिया।

विकास खण्ड भटनी के ब्लॉक सभागार में ग्रामीण पेयजल आपूर्ति योजना के अन्तर्गत पंचायत सहायकों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ बीडीओ भटनी संतोष कुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल के बिना जीवन की कल्पना असंभव है। कृषि, उद्योग और आवासीय सभी क्षेत्रों में जल का योगदान महत्वपूर्ण है। इसलिए इसके संरक्षण और प्रबंधन के प्रति सभी को सजग रहना होगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर अजीत कुमार तिवारी ने बताया कि संस्थानों द्वारा निर्मित टंकियों का हैंडओवर पंचायती राज विभाग को किया जाएगा, जिसके लिए 18 बिंदुओं पर तकनीकी जांच होगी। दूषित जल से होने वाली बीमारियों पर भी विस्तृत जानकारी दी गई।प्रशिक्षक आशुतोष दूबे ने जलापूर्ति संरचना, पाइपलाइन प्रबंधन और योजनाओं के संचालन व निगरानी पर प्रकाश डाला। वहीं सहायक विकास अधिकारी पंचायत विंध्याचल सिंह ने प्रतिभागियों को समस्याओं के समाधान और योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के उपाय बताए।अजय दूबे ने डाटा फीडिंग व टीएमपी प्रक्रिया की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में सतीश शाही, त्रयम्बक मणि त्रिपाठी, रहमत अंसारी, अंजली जायसवाल, रितु यादव, नेहा पटेल, कामिनी शाह, मानसी कुशवाहा, कमलेश यादव, अनुराधा यादव, रोशनी राय, सोनम कुशवाहा, शैलेश गिरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

कार से घूम रहा फर्जी आईएएस गिरफ्तार, छह लग्जरी गाड़ियां बरामद

लखनऊ । वजीरगंज पुलिस ने बुधवार सुबह लग्जरी कार से घूम रहे फर्जी आईएएस को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से पांच लग्जरी गाड़ियां, लाल-नीली बत्ती, सचिवालय पास, फर्जी आईडी कार्ड व अन्य दस्तावेज बरामद हुए हैं। इंस्पेक्टर राजेश कुमार त्रिपाठी के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी नोएडा सेक्टर 35 गरिमा विहार का रहने वाला सौरभ त्रिपाठी है। आरोपी मूलरूप से मऊ के सराय लखंसी का रहने वाला है। इसका एक घर गोमतीनगर विस्तार स्थित शालीमार वन वर्ड में भी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि वजीरगंज स्थित कारगिल पार्क के पास बुधवार सुबह वाहन चेकिंग कर रही थी। तभी उन्हें एक संदिग्ध कार दिखी। रुकवाने पर देखा कि ड्राइविंग सीट पर चालक था। जबकि पिछली सीट पर आरोपी सौरभ बैठा था। कार में लाल-नीली बत्ती भी थी। संदेह होने पर पुलिस ने पूछताछ की तो वह खुद को आईएएस बताते हुए रौब गांठने लगा। साथ ही कई वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी लिए। पुलिस ने जब तलाशी ली तो उसके पास से आईएएस का फर्जी आईडी कार्ड, सचिवालय पास मिले। आरोपी के पास कार के जाली पेपर और ड्राइविंग लाइसेंस भी मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

व्यापारी सम्मान दिवस के रूप में मना उद्योग व्यापार मंडल का स्थापना दिवस

बस्ती।

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बस्ती ने संगठन का स्थापना दिवस शहर के पचपेडिया स्थित डीपीएस में स्कूल में मनाया। जिलाध्यक्ष सुबाष शुक्ल ने कहा कि संगठन की स्थापना ही व्यापारी सम्मान की रक्षा एवं व्यापार को सुगम बनाने के लिए हुआ है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुबाष चंद्र शुक्ल ने संगठन की स्थापना व सम्मान दिवस के रूप में मनाए जाने पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल सदैव व्यापारी हित एवं सम्मान संरक्षण के लिए तत्पर रहते हैं। यह उनके संघर्ष का ही फल है कि भामाशाह जयंती को

व्यापारी सम्मान दिवस घोषित करने, 10 लाख का व्यापारी दुर्घटना बीमा, जीएसटी स्लैब को 4 से 2 किए जाने, जिलों में व्यापारी प्रकोष्ठ का गठन जैसे कदम उठाने को सरकारें बाध्य हुईं। महामंत्री संगठन बृजेश सिंह ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों में स्वदेशी को अपना कर हम अपने अन्नदाता किसानों की आय बढ़ा सकते हैं। प्रदेश मंत्री राधेश्याम कमलापुरी ने कहा कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल आज देश का अग्रणी व्यापारी संगठन है जो देश के सभी प्रदेशों में व्याप्त है। प्रदेश उपाध्यक्ष अमरमणि पांडेय ने कहा कि प्रदेश का सबसे बड़ा एवं पुराना संगठन आज व्यापारी हित की कोई भी सरकारों से लड़कर मनवाने मे सक्षम है। संचालन महामंत्री संगठन बृजेश प्रताप सिंह मुन्ना ने किया। इस मौके पर व्यापारी विश्वनाथ वर्मा, बजयेश सिंह, महेंद्र पांडेय, बीएम शुक्ल, अभिषेक गुप्ता, सर्वेश श्रीवास्तव, अर्जित कसौधन, हरिओम यादव, कल्लू बाबा, अमीर चंद गुप्ता, सीके अग्रहरि, दिनेश सिंह विनोद गुप्ता, अफजल, राजेश चित्रगुप्त, पंकज त्रिपाठी, महेंद्र पांडेय, डॉ.वीरेंद्र त्रिपाठी, हरि प्रसाद सिंह को सम्मानित किया गया।

हमारे आदर्श शिक्षक : पहले स्कूल की बदली तस्वीर, अब बदल रहे बच्चों की तकदीर

गोरखपुर। आज जहां बहुत से शिक्षक शिक्षण कार्य को आराम का काम मानकर नौकरी कर रहे हैं, वहीं जिले के परिषदीय स्कूल के कई शिक्षक स्कूल व बच्चों के प्रति अपने समर्पण से दूसरों के लिए नजीर बन गए हैं। राज्य अध्यापक पुरस्कार से सम्मानित हो चुके शिक्षक मनोज मिश्र इन्हीं शिक्षकों में से एक हैं। जिन्होंने न सिर्फ अपनी मेहनत से स्कूल की तस्वीर बदल दी है, बल्कि बच्चों की तकदीर बदलने में भी जुटे हैं। जनपद के गगहा ब्लाक के कंपोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय सेमरी के प्रभारी प्रधानाध्यापक मनोज ने तैनाती होते ही सबसे पहले विद्यालय के परिवेश को सहज, सुंदर और आकर्षक बनाया। स्कूल की बाहरी दीवारों से लेकर कक्षा कक्ष की दीवारों को उनकी कक्षा अनुरूप पाठ्य सामग्री की पेंटिंग व लेखन कराया। जैसे मैंने सभी दीवारों बोलती है और बच्चों को शिक्षा देती है। आज उनके यहां प्रत्येक कक्षा कक्ष प्रिंट रिच मटेरियल से परिपूर्ण है, जो बच्चों को अनायास ही कुछ न कुछ सीखने में मदद करती हैं। करीब 12 साल पहले जब शिक्षक मनोज ने स्कूल की कमान संभाली तो उस समय बच्चों का समय से स्कूल न आना एक बड़ी समस्या थी। इससे निपटने के लिए उन्होंने निर्धारित समय से एक घंटे पहले स्कूल को खोलना और आधे घंटे पहले से प्रार्थना सभा की विभिन्न गतिविधियों को करवाना शुरू किया। प्रार्थना सभा को प्रभावी बनाने के लिए लाउडस्पीकर का प्रयोग किया। लाउडस्पीकर की आवाज सुनकर बच्चों की विद्यालय में समय से उपस्थिति होने लगी। शिक्षक मनोज बताते हैं कि बच्चों को समय के साथ चलने व तकनीक से जोड़ने के लिए कक्षा छह से आठ तक की विषय वस्तु से संबंधित 545 शैक्षिक अधिक वीडियो बनाकर मैंने उसे यूट्यूब पर अपलोड किया, जिसका आज बच्चे स्मार्ट क्लास के दौरान पठन-पाठन में प्रयोग करते हैं। वे बताते हैं कि प्रार्थना सभा को प्रभावी बनाने के लिए दैनंदिनी सीरीज शुरू किया जो पहले पोस्टर फार्म में और अब वीडियो फार्म में है। इसके माध्यम से प्रतिदिन की विशेषताओं से बच्चे अवगत होते हैं। इसमें देश-विदेश के महान लोगों के प्रेरक विचारों को प्रस्तुत किया जाता है। साथ ही इसी से जुड़ी सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी आयोजित की जाती है। यह नवाचार आज स्कूली बच्चों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे बच्चों के लिए भी बेहद उपयोगी सिद्ध हो रहा है। बच्चों को जोड़ने में शिक्षक मनोज मिश्र की जो शैक्षिक व सहगामी गतिविधियां मददगार बनी उनमें सुनें कहानी मनोज की जुबानी, शिक्षण अधिगम सामग्री का अधिक से अधिक प्रयोग, सामान्य विज्ञान गतिविधि, खेल-खेल में शिक्षा, योग प्राणायाम आदि शामिल हैं। इसके अलावा प्रत्येक शनिवार को बच्चों के लिए मस्ती की पाठशाला के रूप में आयोजित होने वाले फन डे में बच्चों को विभिन्न कौशलों का क्रियात्मक प्रशिक्षण, बालसभा, कला-संगीत, भाषण, नृत्य, सामान्य ज्ञान, निबंध समेत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। हेल्थ टिप्स, स्वच्छता गतिविधियां भी स्मार्ट क्लास के जरिये की जाती है। इसके अलावा नमन सीरीज भी शुरू किया है, जिसमें ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में बच्चों को बताया जाता है जिनके बारे में बहुत कम लोगों को जानकारी है। ये ऐसे बलिदानी हैं जिन्होंने देश को आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पिछले 12 वर्षों से प्रभारी प्रधानाध्यापक के दायित्व का निर्वहन कर रहे शिक्षक मनोज बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने में अपना सौ प्रतिशत देते हैं। अपने इसी कार्य की बदौलत आज उनके स्कूल में बच्चों की संख्या 257 पहुंच चुकी है।

पास होने की वजह से सभी यहां आते हैं.., ठग सुकेश की पत्नी की याचिका पर कोर्ट की कड़ी टिप्पणी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को लीना पॉलोज पर कड़ी टिप्पणी की, जो कथित ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी हैं। वह दिल्ली हाईकोर्ट में अपनी जमानत याचिका पर जल्दी सुनवाई की मांग कर रही थीं। यह मामला 200 करोड़ रुपये की फिरौती से जुड़ा हुआ है। जस्टिस दिपांकर दत्ता और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की बेंच ने कहा कि मामलों की त्वरित सुनवाई के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंचने की प्रवृत्ति स्वीकार्य नहीं है। बेंच ने कहा, यह स्वीकार्य नहीं है। सिर्फ इसलिए कि सुप्रीम कोर्ट नजदीक है, सभी यहां आते हैं और फिर मामले को टालने की मांग करते हैं। लीना के वकील ने कहा कि मामला हाईकोर्ट में हर दिन मामले की सूचीबद्ध होने के बावजूद सुना नहीं जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह मामला बुधवार को भी सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। उन्होंने इसे स्थगित करने की मांग की। बेंच ने मामले को स्थगित करने की मंजूरी दी। दिल्ली पुलिस ने चंद्रशेखर के खिलाफ आरोप लगाया है कि उन्होंने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये ठगे। देश में उनके खिलाफ कई जांच चल रही हैं। चंद्रशेखर और पॉलोज धनशोधन मामले में भी चल रही प्रवर्तन निदेशालय की कार्यवाही का सामना कर रहे हैं। दोनों को दिल्ली पुलिस ने इस फिरौती मामले में गिरफ्तार किया था। पुलिस ने इस मामले में मकोका भी लगाया है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि लीना, चंद्रशेखर और अन्य आरोपियों ने हवाला के रास्ते इस्तेमाल किए और नकली कंपनियां बनाईं ताकि अपराध से प्राप्त धन को छिपाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एल्गार परिषद के मामले में आरोपी वकील सुरेंद्र गाडलिंग की जमानत याचिका पर सुनवाई 17 सितंबर तक के लिए टाल दी। जस्टिस ने के माहेश्वरी और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने यह फैसला तब लिया, जब अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एस वी राजू ने और समय मांगा। गाडलिंग की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आनंद ग्रोवर ने इस पर आपत्ति जताई और कहा कि यह याचिका 2023 से लंबित है। ग्रोवर ने कहा कि गाडलिंग को जेल में छह साल से ज्यादा हो चुके हैं और अब तक आरोप तय नहीं हुए हैं। इससे पहले 26 अगस्त को चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी आर गवई को बताया गया था कि जस्टिस एम एम सुंदरेश ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया है। इसके बाद इस याचिका को आज के लिए सूचीबद्ध किया गया था। गाडलिंग की याचिका अब तक सुप्रीम कोर्ट में 11 बार टाली जा चुकी है। आठ अगस्त को ग्रोवर ने इस मामले का जिक्र किया था और जल्द सुनवाई की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा है कि वह इस पर विचार करे कि भारत में अपराध करने वाले विदेशी नागरिकों को जमानत पर रिहा होने के बाद भागने से कैसे रोका जाए। अदालत ने इस बात पर चिंता जताई कि एक विदेशी नागरिक जमानत मिलने के बाद फरार हो गया है, जिस पर धोखाधड़ी का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने चार दिसंबर 2023 को झारखंड हाईकोर्ट के मई 2022 के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें आरोपी एलेक्स डेविड को जमानत दी गई थी।

दिल्ली में यमुना का पानी घरों में घुसा

10 हजार लोगों को हटाया; पूरे पंजाब में बाढ़, जयपुर के सरकारी अस्पताल में पानी भरा

नई दिल्ली।

पंजाब में बुधवार को भी तेज बारिश जारी है। 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 1200 से ज्यादा गांवों में पानी भरा है। अब तक 30 लोगों की मौत हुई है। 3 लोग लापता हैं। सभी स्कूल-कॉलेजों को 7 सितंबर तक बंद करने का फैसला लिया गया है। हरियाणा में झज्जर, हिसार, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र और पंचकूला के कई हिस्सों में 3-5 फीट तक पानी भरा है। यहां के 200 से ज्यादा स्कूल बंद हैं। अंबाला के सैकड़ों घरों में 2-4 फीट पानी भरा हुआ है। हथिनीकुंड बैराज से 67 घंटे से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। दिल्ली में यमुना नदी खतरे के निशान (205 मीटर) के ऊपर 207 मीटर पर बह रही है। नदी के पास बना लोहे का पुल बंद किया गया है। यमुना बाजार-तिब्बती बाजार, मोनेस्ट्री मार्केट समेत निचले इलाकों में पानी भरा है। यहां से 10 हजार लोगों को रेस्क्यू किया गया है। दिल्ली में बुधवार को सभी स्कूल बंद रखे गए हैं। राजस्थान के जयपुर में तेज बारिश जारी है। शहर के कई पॉश इलाके डूब गए हैं और सबसे बड़े सरकारी अस्पताल एसएमएस में पानी भर गया है। वहीं, कोटा के दरा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लैंडस्लाइड हुई है।

हिमाचल में 1300 सड़कें बंद, यूपी के 20 शहरों में तेज बारिश

उत्तर प्रदेश के नोएडा में यमुना के जलस्तर के बढ़ने से 1000 फार्महाउस में पानी भर गया। यहां से लोगों को रेस्क्यू किया गया। मथुरा में बाढ़ से करीब 900 परिवार प्रभावित हैं। आगरा में यमुना का पानी ताजमहल की बाउंड्री तक पहुंच गया। शहर के कई घाट और 8 श्मशान घाट पानी में डूब गए। हिमाचल प्रदेश में 1300 से ज्यादा सड़कें बंद हैं। पिछले 24 घंटे में 11 लोगों की मकान गिरने और लैंडस्लाइड में मौत हुई। आज सुबह कुल्लू में लैंडस्लाइड में 2 लोगों की मौत हो गई। कल शाम मंडी के सुंदरनगर में दो घरों पर लैंडस्लाइड हुई थी। हादसे में मरने वालों की संख्या 7 हो गई है। आज मलबे से 4 शव निकाले गए हैं। राज्य के 7 जिलों में स्कूल-कॉलेजों को बंद रखा गया है। मध्य प्रदेश में अब तक 970.28एमएम बारिश हो चुकी है, जो सीजन की 104फीसदी है, जबकि अब तक 800.1एमएम बारिश होनी थी। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 939.8एमएम है। पिछले मानसूनी सीजन में औसत 1117.6एमएम बारिश हुई थी।

बाढ़ प्रभावित परिवारों से मिलने पंजाब जाएंगे शिवराज सिंह चौहान, सभी स्कूल और कॉलेज 7 सितंबर तक बंद

नई दिल्ली।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को कहा कि वह गुरुवार को पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रभावित परिवारों से मिलने पहुँचेंगे। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार जरूरतमंदों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। चौहान ने X पर एक पोस्ट साझा करते हुए बताया कि उन्होंने पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां के साथ भारी बारिश के बीच पंजाब की विनाशकारी स्थिति पर चर्चा की। चौहान ने पोस्ट में कहा कि आज मैंने पंजाब के माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्री जी और कृषि मंत्री जी के साथ पंजाब में भारी बारिश के कारण उत्पन्न बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की और विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मैं कल सुबह पंजाब पहुँचूंगा और बाढ़ प्रभावित इलाकों में अपने भाइयों और बहनों से मिलूँगा। संकट की इस घड़ी में, केंद्र सरकार पंजाब के भाइयों और बहनों के साथ मजबूती से खड़ी है और हर संभव सहायता प्रदान करेगी। इससे पहले आज, अमृतसर के अजनाला स्थित गग्गो महल गाँव में लगातार भारी बारिश के बीच बाढ़ जैसी स्थिति देखी गई। ज़ीरकपुर में भी बारिश की सूचना मिली है, जिससे शहर के कई हिस्सों में हल्का यातायात जाम हो गया है। लगातार भारी बारिश के कारण, राज्य भर के बाँधों का जलस्तर काफ़ी बढ़ गया है। भारतीय सेना और स्थानीय निवासियों की सहायता से हबीब के बाँध तटबंध पर मरम्मत कार्य चल रहा है। पंजाब में जारी बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार सभी स्कूल और कॉलेज 7 सितंबर तक बंद रहेंगे। पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए इस निर्देश की जानकारी दी और सभी से स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। बैंस ने एक पोस्ट में कहा, माननीय मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान जी के निर्देशानुसार, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए, पंजाब भर के सभी सरकारी/सहायता प्राप्त/मान्यता प्राप्त और निजी स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और पॉलिटेक्निक 7 सितंबर 2025 तक बंद रहेंगे। सभी से अनुरोध है कि वे स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का सख्ती से पालन करें।

बाढ़ पीड़ितों के लिए विशेष पैकेज दें पीएम! राहुल गांधी ने मोदी सरकार से की तत्काल मदद की गुहार

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लगातार बारिश से विनाशकारी तबाही झेल रहे राज्यों के लिए विशेष राहत पैकेज की घोषणा करने का आग्रह किया। कांग्रेस नेता गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट साझा करते हुए कहा कि पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति बेहद चिंताजनक है। केंद्र सरकार से मदद की गुहार लगाते हुए गांधी ने कहा कि ऐसे कठिन समय में आपका (प्रधानमंत्री मोदी) ध्यान और केंद्र सरकार की सक्रिय मदद बेहद जरूरी है। हजारों परिवार अपने घरों, जान और प्रियजनों को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। गांधी ने एक्स पोस्ट में आगे कहा कि मैं आग्रह करता हूं कि इन राज्यों, खासकर किसानों के लिए एक विशेष राहत पैकेज (स्पेशल रिलीफ पैकेज) की तत्काल घोषणा की जाए और राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। इस बीच, कई भारतीय राज्यों में भारी बारिश के बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी पंजाब, उत्तरी हरियाणा, पूर्वी राजस्थान, दक्षिण-पश्चिम उत्तर प्रदेश, उत्तर-पश्चिम और पूर्वी मध्य प्रदेश और ओडिशा के कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

मुख्यमंत्री योगी का विकसित भारत मंत्र: युवा शक्ति बनाएगी देश को तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है और अगले दो वर्षों में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, जबकि वर्तमान में यह चौथे स्थान पर है। मुख्यमंत्री आईआईटी कानपुर में समन्वय के माध्यम से उद्योग-अकादमिक संपर्क कार्यक्रम में छात्रों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर सुरक्षा और स्थिरता पर विभिन्न तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे और उन सभी मुद्दों पर चर्चा की जाएगी, जिन्हें लेकर आज आम नागरिक समाज, देश और दुनिया चिंतित है और उनका लाभ उठाकर आगे बढ़ना चाहता है। भारत की ऐतिहासिक आर्थिक स्थिति पर प्रकाश डालते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान 25त था। एक सदी बाद, भारत दूसरे नंबर पर पहुँच गया, जबकि चीन शीर्ष पर रहा; हालांकि, पिछले 150-200 वर्षों में, एक महत्वपूर्ण घटना घटी जिसके कारण भारत की रैंकिंग में लगातार गिरावट आई। 1947 तक, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में भारत का योगदान केवल 2 प्रतिशत रह गया। उन्होंने आगे कहा कि पिछले 11 वर्षों में भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है और अब यह विश्व स्तर पर सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनकर उभरा है। उन्होंने आगे कहा कि आज हम दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गए हैं और अगले दो वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। आप सभी भारत को दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में बड़ी भूमिका निभाएंगे। इस बीच, मंगलवार को चेन्नई में सिटी यूनियन बैंक के 120वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए, अध्यक्ष द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि किसानों का सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भारत के बैंकिंग क्षेत्र की प्राथमिकता होनी चाहिए। अध्यक्ष मुर्मु ने यह भी कहा कि बैंक एमएसएमई को विकास के इंजन में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा, स्टार्ट-अप से लेकर स्मार्ट शहरों तक, ऐसे कई क्षेत्र हैं जिनमें बैंक मदद कर सकते हैं। बैंक एक विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदार बन सकते हैं। वित्तीय सेवाओं में उल्लेखनीय प्रगति के बावजूद, राष्ट्रपति ने बताया कि डिजिटल साक्षरता, इंटरनेट पहुँच और वित्तीय जागरूकता जैसे क्षेत्रों में चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

अदालत ने जरांगे से मांगा हलफनामा

सरकारी संपत्ति के बड़े पैमाने पर नुकसान का जिम्मेदार कौन?

संभाजीनगर। मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जरांगे ने बुधवार को बॉम्बे हाईकोर्ट में बताया कि मराठा आरक्षण को लेकर उनका आंदोलन अब खत्म हो चुका है, क्योंकि मामला सरकार के साथ सुलझ गया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति आरती साठे की खंडपीठ ने उनकी बात को स्वीकार किया, लेकिन यह भी कहा कि आंदोलन के दौरान हुई अन्य घटनाओं और शिकायतों पर जवाब देना जरूरी है। कोर्ट ने पूछा, सरकारी संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है, उसका जिम्मेदार कौन है? जरांगे की ओर से पेश हुए वकील सतीश मानशिंदे और वी. एम. थोरट ने कोर्ट में दलील दी कि आंदोलन शांतिपूर्ण था और सिर्फ आम जनता को असुविधा हुई, संपत्ति को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। इस पर कोर्ट ने कहा कि जरांगे और आंदोलन से जुड़ी संस्थाओं को हलफनामा दाखिल करना होगा, जिसमें यह साफ लिखा हो कि वे किसी भी तरह की हिंसा या तोड़फोड़ के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। पीठ ने कहा, अगर हलफनामे में इनकार नहीं किया गया, तो जरांगे और उनकी टीम को उपद्रव का भड़काने वाला माना जाएगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर सही तरीके से हलफनामा दाखिल हो जाता है, तो कोई सख्त आदेश नहीं दिया जाएगा, बल्कि याचिकाएं निपटा दी जाएंगी। कोर्ट ने जरांगे और उनकी टीम को चार सप्ताह का समय दिया है ताकि वे हलफनामा दाखिल कर सकें।

अखनूर के चौकी चौरा में अचानक फटा बादल...मची तबाही; 200 से ज्यादा घर जलमग्न

अखनूर। चौकी चौरा में रात लगभग 2 बजे अचानक बादल फटने से सुमाह खड़ (नाला) भर गया, जिससे अखनूर के सुमाह, सुंगल, पंगयाड़ी, रामनगर कॉलोनी और बोमाल क्षेत्र के कई घरों में पानी घुस गया। इस कारण स्थानीय लोगों को भारी नुकसान हुआ है। सुमाह में जेजेएम के तहत बनाए गए ट्यूबवेल की दीवार टूट गई है, जबकि अखनूर से गोपाला और पंगयाड़ी मुख्यमार्ग को जोड़ने वाली दोनों पुलिया भी टूट गई हैं। इस वजह से पंगयाड़ी और गोपाला गांव का संपर्क कट गया है, जिससे करीब 400 लोग प्रभावित हुए हैं। वहीं, दरिया चिनाब का जलस्तर सुबह 8 बजे 44 फीट था, जो अब घटकर 42 फीट हो गया है। चिनाब नदी के किनारे स्थित गड़खाल पंचायत के फत्तू कोटली क्षेत्र में फिर से जलमग्नता बढ़ गई है, जहां लगभग 25 लोग फंसे हुए हैं। इसके अलावा, बोमाल, देवीपुर, भोरकैम्प, चक सिकंदर, मैरा और बंधवाल जैसे इलाके चिनाब नदी के किनारे पानी से घिरे हुए हैं। प्रशासन और राहत एजेंसियां फंसे हुए लोगों की मदद के लिए सक्रिय हैं।

भाई ने मेरा साथ नहीं दिया, निलंबन के अगले दिन के कविता ने बीआरएस को कहा अलविदा

नई दिल्ली।

भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की निलंबित नेता के. कविता ने अपने परिवार और पार्टी के भीतर चल रही कथित साजिशों को लेकर मीडिया में बयान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा भी दे दिया है। कविता ने न केवल अपने भाई के.टी. रामा राव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें।

कविता ने कहा कि उनकी निलंबन की साजिश पार्टी पर कब्जा करने की कोशिश का हिस्सा है। के कविता ने कहा, केसीआर गारू और केटीआर गारू मेरा परिवार हैं। हमारे बीच खून का रिश्ता है। पार्टी से निलंबन या पद छिनने जैसे कारणों से यह रिश्ता नहीं टूटना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, हालांकि, कुछ लोग अपने निजी और राजनीतिक विकास के लिए हमारे परिवार को बिखेरना चाहते हैं। कविता ने हैदराबाद में एक बयान में कहा कि उनकी रिहाई के बाद से वह लगातार जनता के मुद्दों के लिए लड़ रही हैं। लेकिन इस दौरान उनके भाई रामा राव ने उनका साथ नहीं दिया, जब उनके खिलाफ एक बदनाम करने वाली मुहिम चलाई गई। के कविता ने कहा, "मैं भाई केटीआर से मिली।

मैंने उन्हें मेरे खिलाफ चल रही साजिशों और झूठे अभियान के बारे में बताया। मैंने उनसे अनुरोध किया, न केवल एक बहन के रूप में, बल्कि पार्टी की सदस्य के रूप में भी, लेकिन उन्होंने जरा भी परवाह नहीं की। उन्होंने मुझे फोन तक नहीं किया। कविता ने अपने बयान में साफ किया कि कुछ लोग उनके परिवार को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने अपने पिता केसीआर से गुजारिश की कि वह इस सियासी खेल को समझें और पार्टी के भीतर चल रही साजिशों पर ध्यान दें। कविता का मानना है कि उनकी निलंबन की वजह सिर्फ व्यक्तिगत हमले नहीं, बल्कि बीआरएस पर पूरी तरह कब्जा करने की कोशिश है।

"कविता ने न केवल अपने भाई के.टी. रामा राव पर निशाना साधा, बल्कि चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने अपने पिता और बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) से अपील की कि वह अपने आसपास हो रही सियासी चालबाजियों पर नजर रखें।

उन्होंने यह भी कहा कि वह अपने पिता और पार्टी प्रमुख केसीआर के साथ अपने रिश्ते को लेकर किसी तरह की गलतफहमी नहीं चाहतीं। कविता ने अपने चचेरे भाइयों हरीश राव और संतोष राव पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि केसीआर के खिलाफ सीबीआई जांच की वजह उनके चचेरे भाइयों की भ्रष्ट गतिविधियां हैं। कविता ने भाई रामा राव को नसीहत दी कि वह हरीश और संतोष पर भरोसा न करें, क्योंकि ये लोग पार्टी और परिवार के लिए मुश्किलें खड़ी कर रहे हैं।

पाकिस्तान, अफगानिस्तान -बांग्लादेश से 2024 तक आए लोगों को भारत में रहने की इजाजत

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि धार्मिक उत्पीड़न से बचने के लिए अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान से 31 दिसंबर 2024 तक भारत आए हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई समुदाय के सदस्यों को पासपोर्ट या अन्य यात्रा दस्तावेजों के बिना भी देश में रहने की अनुमति दी जाएगी. सरकार ने शरणार्थियों को यह राहत आप्रवास और विदेशियों विषयक अधिनियम, 2025 (2025 का 13) के तहत दी है. इसके कानून के मुताबिक, 31 दिसंबर 2024 को या उससे पहले भारत आए इन उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की जाएगी. यह महत्वपूर्ण आदेश बड़ी संख्या में लोगों, विशेषकर पाकिस्तान से आए उन हिंदुओं को राहत प्रदान करेगा, जो 2014 के बाद भारत आए और अपने भविष्य को लेकर चिंतित थे. गृह मंत्रालय द्वारा जारी गजट नोटिफिकेशन के अनुसार, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और पाकिस्तान के अल्पसंख्यक समुदाय-हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई, जो धार्मिक उत्पीड़न या इसके डर से भारत में शरण लेने के लिए मजबूर हुए और 31 दिसंबर 2024 को या उससे पहले वैध दस्तावेजों के बिना देश में प्रवेश किया, उन्हें वैध पासपोर्ट और वीजा रखने के नियम से छूट दी जाएगी. आदेश में साफ किया गया है कि नेपाल और भूटान के नागरिकों को भारत आने-जाने या यहां रहने के लिए पासपोर्ट और वीजा की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते वे भारत में सीमा मार्ग से प्रवेश करें. यह व्यवस्था पहले की तरह ही जारी रहेगी. हालांकि, अगर कोई नेपाली या भूटानी नागरिक चीन, मकाऊ, हॉन्गकॉन्ग या पाकिस्तान से भारत आता है, तो उसके पास मान्य पासपोर्ट होना अनिवार्य होगा. इसी तरह, भारतीय नागरिकों को भी नेपाल या भूटान की सीमा से भारत आने-जाने के लिए पासपोर्ट या वीजा की आवश्यकता नहीं है, लेकिन अगर वे नेपाल या भूटान के अलावा किसी अन्य देश से भारत लौटते हैं (चीन, मकाऊ, हॉन्गकॉन्ग और पाकिस्तान को छोड़कर), तो उन्हें मान्य पासपोर्ट दिखाना होगा. वहीं, भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना के कर्मियों को, जो ड्यूटी पर भारत में प्रवेश या बाहर जा रहे हैं, तथा उनके परिवार के सदस्यों को (अगर वे सरकारी परिवहन के साथ यात्रा कर रहे हों) पासपोर्ट या वीजा की जरूरत नहीं होगी.

केंद्र सरकार का बड़ा फैसला

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट : शाह ने थपथपाई जांबाजों की पीठ, नक्सल विरोधी अभियानों से करोड़ों के जीवन में नया सूर्योदय

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार फिर नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया और कहा कि जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते, तब तक सरकार चैन से नहीं बैठेगी। गृह मंत्री ने यह टिप्पणी नई दिल्ली में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), छत्तीसगढ़ पुलिस, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और कोबरा के जवानों से मुलाकात और उन्हें सम्मानित करते हुए की, जिन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ के करेगुट्टालु पहाड़ी पर ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट को सफलतापूर्वक अंजाम दिया था। शाह ने करेगुट्टालु पहाड़ी पर अब तक के सबसे बड़े नक्सल विरोधी अभियान ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट को सफल बनाने में वीरता दिखाने के लिए सभी सुरक्षाकर्मियों को बधाई दी। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के दौरान जवानों की बहादुरी और पराक्रम को नक्सल विरोधी अभियानों के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में याद किए जाने का उल्लेख करते हुए, शाह ने कहा, "मोदी सरकार तब तक चैन से नहीं बैठेगी जब तक सभी नक्सली आत्मसमर्पण नहीं कर देते, पकड़े नहीं जाते या उनका सफाया नहीं कर देते। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा की उपस्थिति में राष्ट्रीय राजधानी में जवानों के साथ बैठक के दौरान शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम भारत को नक्सल मुक्त बनाएंगे। मंत्री ने कहा कि गर्मी, ऊंचाई और हर कदम पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के खतरे के बावजूद, सुरक्षा बलों ने पूरे जोश के साथ अभियान को सफल बनाया और नक्सलियों के बेस कैंप को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि करेगुट्टालु पहाड़ी पर बने नक्सलियों के सामग्री भंडार और आपूर्ति श्रृंखला को छत्तीसगढ़ पुलिस, सीआरपीएफ, डीआरजी और कोबरा के जवानों ने बहादुरी से नष्ट कर दिया। शाह ने कहा कि नक्सलियों ने देश के सबसे कम विकसित क्षेत्रों को भारी नुकसान पहुँचाया है, स्कूलों, अस्पतालों को बंद कर दिया है और सरकारी योजनाओं को लोगों तक नहीं पहुँचने दिया है। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियानों के कारण पशुपतिनाथ से तिरुपति तक के क्षेत्र में 6.5 करोड़ लोगों के जीवन में एक नया सूर्योदय हुआ है। शाह ने दोहराया कि मोदी सरकार 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस बात पर जोर दिया कि नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान गंभीर रूप से घायल हुए सुरक्षाकर्मियों के जीवन को आसान बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।